16 / 02 / 78 की अव्यक्त वाणी

पर आधारित योग अनुभूति

एवर हैल्दी और एवर हैप्पी होने का अनुभव

➢➢ मैं आत्मा एवर हैल्दी, वैल्दी और हैप्पी हूँ

➳ _ ➳ आज अमृतवेला की शुभ पावन वेला मे, मैं निराकार ज्योति बिन्दु आत्मा

→ अपने परमपिता निराकार परम ज्योति को निहार रही हूँ

■ मैं आत्मा देह से न्यारी हूँ

■ मैं शुद्ध पवित्र शक्ति हूँ

➳ _ ➳ मैं आत्मा ज्योति बिंदु स्वरूप हूँ, एक चमकता हुआ दिव्य सितारा हूँ

→ इस शरीर को चलाने वाली चैतन्य शक्ति हूँ

■ ये शरीर अलग मैं आत्मा अलग हूं

➳ _ ➳ मैं आत्मा इस शरीर की मालिक हूँ, दास नही हूँ

→ मैं आत्मा स्वराज्य अधिकारी हूँ

■ अपनी लाईट माईट की सीट पर सेट हूँ

➳ _ ➳ मैं आत्मा एक ही समय पर तन, मन और धन

➳ _ ➳ मन, वाणी और कर्म से सर्व प्रकार की सेवा साथ-साथ कर सफलता को प्राप्त करती हूँ

→ मैं आत्मा स्वयं को दिव्य गुणों से श्रृंगार कर रहीं हूँ

■ मर्यादा की लकीर के अन्दर रहते हुए

■ मैं आत्मा मर्यादा पुरूषोत्तम का टाइटल ले रही हूँ

■ ताज और तिलक अटेंशन देकर धारण कर रही हूँ

➳ _ ➳ मुझ आत्मा का जन्म ही अलौकिक है

➳ _ ➳ तो मुझ आत्मा का कर्म भी अलौकिक है साधारण नहीं है

→ अब मैं आत्मा साधारण को महानता में परिवर्तित कर रही हूँ

➳ _ ➳ मैं आत्मा एवर हैल्दी, वैल्दी और हैप्पी हूँ

→ यह तीनों प्राप्तियाँ मुझ आत्मा का जन्म-सिद्ध अधिकार हैं

■ अब मैं आत्मा इन तीनों ही प्राप्तियों को प्रैक्टीकल में धारणा करने का पुरुषार्थ कर रही हूँ

➳ _ ➳ मैं आत्मा किसी भी प्रकृति वा वातावरण

➳ _ ➳ किसी भी परस्थितियों के प्रभाव के वश नहीं होती हूँ

→ मैं आत्मा बाप को फालो कर नम्बरवन में आने का

→ Example बन रही हूँ

■ जैसा ऊँचा लक्ष्य रखा है

■ वैसे ही लक्षण मैं आत्मा धारण कर रही हूँ

➳ _ ➳ इन तीनों प्राप्तियों के आधार पर ही मैं आत्मा विश्व कल्याणकारी का पार्ट बजा रही हूँ

→ आज सर्व आत्माओं को इन तीनों प्राप्तियों की आवश्यकता है

■ मैं आत्मा इन तीनो प्राप्तिओ से अप्राप्त आत्माओं को प्राप्ति की अनुभूति करा रही हूँ

➢➢ मैं आत्मा एवर हैल्दी हूँ

➳ _ ➳ मैं एवर हैल्दी आत्मा

→ सदा सर्व शक्तियों के खज़ाने से

→ सदा सर्व गुणों के खज़ाने से

→ ज्ञान के ख़ज़ानों से

■ मैं आत्मा सम्पन्न हूँ

➳ _ ➳ मुझ आत्मा की मन की स्थिति के ऊपर

→ शारीरिक व्याधि

→ मौसम का प्रभाव

→ वायुमंडल का प्रभाव

→ खान-पान का प्रभाव

→ बीमारी का प्रभाव नही पड़ता है

■ मैं एवर हैल्दी आत्मा इन सब बातों में नॉलेजफुल होने के कारण Safe रहती हूँ

➳ _ ➳ मुझ आत्मा के मुख से कभी भी क्या करूँ, कैसे करूँ, चाहते हैं लेकिन कर नहीं पाते हैं ऐसे बोल नही निकलते है

→ मैं आत्मा कभी भी ऐसे शक्तियों की निर्धनता के बोल या संकल्प नहीं करती हूँ

■ मैं आत्मा स्वयं को सदा सम्पन्न मूर्त्त अनुभव करती हूँ

➳ _ ➳ अन्य निर्धन आत्माएँ भी मुझ सम्पन्नमूर्त्त आत्मा को देख

➳ _ ➳ मेरी छत्रछाया में स्वयं भी उमंग-उत्साह का अनुभव करती है

→ कोई भी परिस्थिति क्यो न आ जाय

→ मैं आत्मा तो हर परस्थिति में नाचती ही रहती हूँ

■ तभी बाबा ने मुझ आत्मा को एवर हैल्दी का टाइटल दिया है

➢➢ मैं आत्मा एवर हैप्पी हूँ

➳ _ ➳ एवर हैप्पी अर्थात सदा खुश

→ मैं आत्मा कैसा भी दुख की लहर उतपन्न करने वाला वातावरण हो

→ नीरस वातावरण हो

→ अप्राप्ति का अनुभव कराने वाला वातावरण हो

■ ऐसी परिस्थिति में भी, ऐसे वातावरण में भी सदा मैं आत्मा खुश रहती हूँ

■ अपनी खुशी की झलक से दु:ख और उदासी के वातावरण को भी परिवर्तन कर देती हूँ

➳ _ ➳ मैं आत्मा मास्टर ज्ञान सूर्य हूँ

→ मैं आत्मा अन्धकार के बीच रोशनी कर रही हूँ

→ अशान्ति के वातावरण के अन्दर शान्ति के वाइब्रेशन फैला रही हूँ

→ नीरस वातावरण में खुशी की झलक फैला रही हूँ

➳ _ ➳ मुझ आत्मा का खुश नसीब, सदा खुश अर्थात् हर्षित मुख चेहरा देख

→ दु:खी अशान्त आत्मायें

→ रोगी आत्माये

→ शक्तिहीन आत्मायें

→ एक सेकेण्ड की प्राप्ति की अंचली के लिए वा एक बूँद के लिए बहुत प्यासी हैं

■ उन सबकी प्यास मैं आत्मा बुझा रही हूँ

■ उनमें मानव जीवन का जीना क्या होता है, उसकी हिम्मत, उमंग उत्साह भर रही हूँ

■ उन्हें नये जीवन का दान देती हूँ

➳ _ ➳ मैं शुद्ध पवित्र आत्मा अपने चेहरे व चलन से अपने पिता परमात्मा को प्रत्यक्ष कर रही हूँ

→ बाबा की श्रीमत पर चलने से मेरे कर्मो में श्रेष्ठता आ रही है

■ अपने श्रेष्ठ कर्मो द्वारा सर्व आत्माओं को भी श्रेष्ठता का अनुभव करवा रही हूं